REET 2025
LEVEL-1 & 2
ROJGAR
ANKIT
वंदन बैच
हिंदी
Demo
01
भाषा शिक्षण की विधियाँ
LIVE
26-12-2024 11:00 AM

REET 2025 L - 1&

TIME TABLE
REET 2025
LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
MATHS L-1 07AM
GEOGRAPHY L-2 10 AM
हिंदी L-1&2 11 AM
CDP L-1&2 02 PM
ENGLISH L-1&2 03 PM
संस्कृत L-1&2 03 PM
EVS L-1 04 PM
PHYSICS L-2 04 PM
MATHS L-2 05 PM
POLITY L-2 07 PM
CHEM+ BIO L-2 07 PM
HISTORY L-2 08 PM
Registration Starts from
23rd DEC
Classes Start from
26th DEC
JOIN US ON
DOWNLOAD THE RWA APP NOW
Google Play

REET 2025
LEVEL-1 & 2
9818489147
वंदन बैच
Features
Live Classes
Doubt Group
Class Notes PDF
Mock Test
Experienced Teachers
₹999/-
30% off
Coupon Code: REET30
₹699/-
27
Registration Starts from
23rd DEC
Classes Start from
26th DEC

कोर्स कैसे PURCHASE करें ?
ROJGAR WITH ANKIT
Hello, RWA
REET 2025 LEVEL-1 & 2
वंदन बैच
₹699/-
23rd DEC 26th DEC
Paid Classes
Free Courses
Free Weekly Tests
Test Series
PDF Class Notes
Books
My Courses
All Courses
RWA All Cou
999/-
View Details
View Demo
Buy Now
Price 999/-
Internet Handling Fees + ₹ 0.0
Total 999/-
Apply Coupon
Pay Online
REET30
Apply
Price 999/-
Discount ₹ 299/-
Total ₹ 700/-
Coupon Applied Successfully
30%

* भाषा मानव जीवन का एक ऐसा अभिन्न अंग है। जिसके बिना हम संसार में किसी व्यवहार की कल्पना भी नही कर सकते।

* भाषा एक ऐसी अमूल्य निधि है, जिसके वरदान से मनुष्य सभ्यता और संस्कृति की सीढ़ियों पर चढ़ता हुआ आज अनेक प्रकार से उन्नति करने में समर्थ हुआ।

* भाषा के माध्यम से हम अपने विचारों, भावों और इच्छाओं आकांक्षाओं को दूसरे पर प्रकट करते हैं तथा दूसरे के द्वारा व्यक्त भावों, विचारों और इच्छाओं को ग्रहण करते हैं।

भाषा शब्द संस्कृत के भाष् धातु से बना है जिसका अर्थ होता है बोलना। सामान्य अर्थ "जो बोली जाती है।"

* डॉ. भोलानाथ तिवारी के अनुसार
भाषा की परिभाषा देते हुए लिखा है कि भाषा निश्चित प्रयत्न के फलस्वरूप मनुष्य के मुख से निःसृत सार्थक ध्वनि समष्टि है जिसका विश्लेषण और अध्ययन भी किया जा सके।

भाषा सीखने के मनोवैज्ञानिक चरण इस प्रकार है-

(i)- जिज्ञासा

(ii)- प्रयत्न (तत्परता)

(iii)- अनुकरण

(iv)- अभ्यास

* श्रीमती एस. के कोचर ने अपनी पुस्तक "मेथड्स एण्ड टेक्नीक्स ऑफ टीचिंग" में ये लिखती है. "जिस प्रकार एक सैनिक को लड़ने के लिए विभिन्न हथियारों का ज्ञान आवश्यक है उसी प्रकार शिक्षक को भी शिक्षण की विभिन्न विधियो का ज्ञान आवश्यक है।

* उत्तम शिक्षण विधि की विशेषताएँ -

(i)- छात्रों को विषय वस्तु के लिए प्रेरित करें।

(ii)- जो छात्रों को शिक्षा सक्रिय सदस्य बनाए।

(iii)- विधियाँ सुनिश्चित एवं प्रयोग करने योग्य हो।

(iv)- उत्तम विधियाँ कलात्मक व व्यक्तिगत होती है। वे अध्यापक को वांछित एवं अवांछित का ज्ञान कराती है।

(v)- शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने वाली तथा वैज्ञानिक विधि से कार्य करने का प्रशिक्षण देने वाली हो।

(vi)- क्रियाशीलता पर आधारित होनी चाहिए।

(vii)- कम समय लेने वाली तथा प्रभावी होनी चाहिए।

(viii)- शिक्षण विधि में व्यवहारिकता होनी चाहिए।

(ix)- शिक्षण विधि को गतिशील होना चाहिए न कि स्थिर।